

## अध्याय-7

### पेंशन एवं वार्षिकियां

#### 1. जीवन बीमा उत्पादों एवं पेंशन उत्पादों में अन्तर

##### (क) जीवन बीमा उत्पाद

◉: उत्पाद का उद्देश्य: जीवन बीमा उत्पादों की रचना मूल रूप से इस प्रकार की जाती है। ताकि बीमित की शीघ्र एवं असामयिक मृत्यु होने पर आर्थिक चुनौतियों के प्रति संरक्षण प्रदान किया जा सके।

◉: आकस्मिकता संरक्षण: जीवन बीमा के मामले में जो मूल आकस्मिकता संरक्षित होती है वह है, 'मृत्युता'।

◉: उत्पाद संरचना: जीवन बीमा के मामले में प्रीमियम भुगतानों की श्रृंखला के परिणाम स्वरूप एक पूंजी का निर्माण होता है जिसे बीमा राशि कहा जाता है। इस राशि का भुगतान बीमित व्यक्ति की मृत्यु की दशा में उसके नामितियों या हिताधिकारियों को किया जाता है या बन्दोबस्ती बीमा पॉलिसियों के मामले में अवधि पर्यंत बीमित के जीवित रहने पर उसे विद्यमानता लाभ के रूप में भुगतान किया जाता है।

##### (ख) पेंशन उत्पाद

◉: पेंशन उत्पाद व्यक्ति की अतिजीवितता के मामले में अधिक समय तक जीवित रहने पर तथा आर्थिक संसाधनों के समाप्त हो जाने पर वित्तीय संरक्षण प्रदान करते हैं।

◉: पेंशन के मामले में सेवानिवृत्ति के पश्चात यह आय की निरन्तरता बाधित होने पर सहायक होती है।

◉: पेंशन के मामले में, पूंजी राशि जिसे हम धन-संचय या प्रतिफल कह सकते हैं जो नियमित आय-भुगतान के रूप में पूर्ण या आंशिक रूप से तरलीकृत होता है। इन्हें वार्षिकियां कहते हैं।

#### 2. पेंशन योजनाओं के प्रकार

##### (क) पब्लिक योजनाओं के प्रकार

##### (ख) व्यावसायिक पेंशन

##### (ग) व्यक्तिगत पेंशन

#### 3. वार्षिकियों के वर्गीकरण का आधार

◉: वार्षिकी कैसे खरीदी जाती है

◉: वार्षिकी का भुगतान कितनी बार किया जाता है।

◉: वार्षिकी भुगतान कब प्रारम्भ होता है।

##### (ख) भुगतान अवधि की सीमा

##### (ग) वार्षिकी राशि निश्चित है अथवा परिवर्तनीय

#### 4. वार्षिकियों के प्रकार

(क) त्वरित वार्षिकियां:

प्रारम्भिक निवेश करने के पश्चात वार्षिकीधारक भुगतान प्राप्त करने लगता है। त्वरित वार्षिकी में व्यक्ति एकमुष्ट राशि का भुगतान करता है तथा एक वार्षिकी अवधि के पश्चात आय प्राप्त करने लगता है।

(ख) विलम्बित वार्षिकी

विलम्बित वार्षिकी में एक समयावधि तक धन का निवेश किया जाता है जब तक कि वार्षिकीधारक वार्षिकियां प्राप्त करने के लिए धन का संचय होता है।

5. पेंशन से सम्बन्धित आकस्मिकताएं

(क) अतिजीवितता का जोखिम

(ख) मुद्रास्फीति

(ग) निवेश जोखिम

(घ) आय के जोखिम का प्रतिस्थापन